साम्बा क्षेत्र के किसानों हेतु वानिकी प्रौद्योगिकियों द्वारा सतत विकास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

Report of one day training programme on Sustainable Development through Forestry Technologies for farmers of Samba region.

भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने केम्पा विस्तार के सौजन्य से 22 जनवरी, 2024 को कृषि विज्ञान केंद्र -साम्बा , जम्मू और कश्मीर (के.शा.प्र.) के सहयोग से उनके केंद्र में किसानों हेतु वानिकी प्रौद्योगिकीयों द्वारा सतत विकास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रशिक्षण सह-समन्वयक ने मुख्य अतिथि डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, डॉ. संजय खजूरिया, वैज्ञानिकों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया । डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-जी, प्रभागाध्यक्ष विस्तार एवं प्रशिक्षण समन्वयक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उत्पादकता वृद्धि और स्थायी आय सृजन के लिए वानिकी प्रौद्योगिकियों की जानकारी हितधारकों तक पहुचाना है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि संस्थान ने बागवानी पौधों के साथ औषधीय पौधों को अंतरवर्तीय फसल उगाने के मॉडल विकसित किए हैं। जिससे किसान, बागवानी फसल के मध्य बचे भाग का उपयोग औषधीय पौधों को उगाने के लिए कर सकते हैं और इन्हे उगाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होने कहा कि वानिकी प्रौद्योगिकियों को अपनाकर उपभोक्ता सतत विकास में योगदान दे सकते है। वानिकी का देश की सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीक के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित कडु, निहानी, वनककड़ी औषधीय पौधो की उच्च गुणवता वाली पाँच नई किस्म/वेराईटी के बारे में बताया। उन्होंने हिमालय क्षेत्र की जड़ी बूटियों के स्तर, उपयोग तथा संरक्षण पर भी जानकारी दी और कहा कि क्षेत्र में उच्च मूल्य वाले औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती करके इसे एक स्थायी आय सृजन गतिविधि के रूप में बनाने की बहुत संभावना है। इन मूल्यवान औषधीय पौधों की रक्षा और संरक्षण का एकमात्र तरीका उनका कृषिकरण है। इसके अलावा प्राकृतिक वास में भी इन्हे सरंक्षित करना होगा। डॉ. संजय खजूरिया, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र,साम्बा, जम्मू ने वास्तविक जरूरतों और आजीविका को पूरा करने के लिए कृषि वानिकी प्रणाली में बांस प्रजातियों के एकीकरण के महत्व की जानकारी दी। डॉ. वनीत जिष्टू, ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान की भूमिका से लोगों को अवगत करवाया और कहा कि पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण करके ही प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित किया जा सकता है। डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने औषधीय पौधों का संरक्षण उपयोग और मूल्यवर्धन विषय पर जानकारी दी। डॉ. अमित महाजन, कृषि विज्ञान केंद्र -साम्बा ने वन्य फसलों में खरपतवार प्रबंधन के विषय में जानकारी दी। अंत मे किसानों के साथ विस्तृत चर्चा की गई और किसानों के सभी प्रश्नो के उत्तर वैज्ञानिको एवं अधिकारियों द्वारा दिये गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में साम्बा, जम्मू क्षेत्र के 40 प्रतिभागियों, जिसमे किसान, पंचायत प्रतिनिधि, महिला मण्डल तथा युवा मण्डल के सदस्य ने भाग लिया। इसके अलावा, डॉ॰ सिंह एवं डॉ॰ चौहान ने

प्रतिभागियों को मिशन लाइफ, अमृत सरोवर एवं शहरी वानिकी के बारे मे भी संक्षेप मे जानकारी सांझा की ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, डॉ॰ जोगिंदर चौहान, प्रशिक्षण सह-समन्वयक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ ।

YAN KENDRA SAMBA
LCOME YOU

Farmers imparted expertise in sustainable development through forestry technologies

SKUAST-J officials along with farmers during the programme.

■ STATE TIMES NEWS

SAMBA: ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, with the courtesy of CAMPA Extension, organized a one day training programme on sustainable development through forestry technologies for progressive farmers at Krishi Vigyan Kendra-Samba.

Dr. Jagdish Singh, Scientist-G, Head of Division Extension and Training Coordinator/Coordinator, ICFRE- Himalayan Forest Research Institute, Shimla said that the objective of this training program is to increase productivity and generate sustainable income. The aim is to disseminate information on forestry technologies to stakeholders, progressive farmers so that they can pass on the knowledge to others as master trainers. Apart from this, he said that the institute has developed models for growing medicinal plants as intercrops with horticultural plants. The farmers can use the space between the horticulture crops to grow medicinal plants for additional income. He also threw light on the suitable medicinal plants that can be grown in the region.

Dr. Sandeep Sharma, Director, ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, highlighted the importance of modern nursery and plantation techniques to increase productivity. Apart from this, he informed about five new high quality varieties of Kadu, Nihani, Vanakkari medicinal plants developed by the institute. He also gave information on the status, use and conservation of herbs of the Himalayan region and said that there was great potential for commercial cultivation of high value medicinal plants in the region and also making it a sustainable income generating activity. The only way to protect and conserve these valuable medicinal plants is to cultivate them. He encouraged farmers to go for organic farming as organic farming is good for the environment and also in respect of economic gains. He suggested maintaining records of their produce and getting certification for their products so that farmers can get better prices for the organic produce. Dr. Sanjay Khajuria, Principal Scientist and Head of Krishi Vigyan Kendra - Samba informed about the importance of integration of bamboo species in the agroforestry system to meet the actual needs and livelihoods. He also disclosed that various such programmes with other agencies are also in pipeline for the benefit of the farming community of District Samba.

Dr. Vaneet Jishtu, Scientist-E, Himalayan Forest Research Institute, Shimla made people aware of the role of traditional knowledge in conservation of natural resources, and said that the natural resources can be conserved only by preserving the rich traditional knowledge. He also threw light on the role of sacred groves as natural reservoirs of native plants and the important role they play in biodiversity conservation. He cited various examples of traditional practices across the globe and region.

Dr. Joginder Chauhan, Chief Technical Officer, ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla gave information on conservation, use and value addition of medicinal plants. Dr. AmitMahajan, Krishi Vigyan Kendra - Samba talked on weed management in forest crops. This training program was attended by 40 participants from Samba, Jammu region, which included progressive farmers, Panchayat representatives, Mahila Mandal and Youth Club members, and frontline personnel of the Forest Department.

DHEW Udhampur organises special Gram Sabha

■ STATE TIMES NEWS

UDHAMPUR: The District Hub for Empowerment of Women (DHEW), in collaboration with One Stop Centre (OSC) Udhampur, organised a pledge ceremony and a special gram sabha at the conference hall of DPO Poshan Udhampur.

The pledge ceremony aimed to emphasise the education of the girl child and to ensure that girls are born, loved and nurtured to become equal and empowered citizens of the country.

****